मिशन शिक्षण संवाद

~काव्यांजलि~

••पाठ्यक्रम आधारित संगीतमयी कविताएं••

संकलन-

~काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद••

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 114

दिनांक- 04,मई'19

दिन - शनिवार

कक्षा-6

राजधानी एक्सप्रेस

भूगोल

महाराष्ट्र की मुम्बई, M.P की भोपाल।
गोवा की पणजी सुनो,कोलकाता वेस्ट बंगाल।।
नागालैंड की कोहिमा,मिजोरम की आइजोल।
तमिलनाडु की चेन्नई, कर्नाटक की बेंगलोर।
केरल की तिरुवनंतपुरम, गुजरात की गांधी नगर।
सिक्किम की गंगटोक है,राजस्थान की है जयपुर।।
कैपिटल देहरादून है,राज्य उत्तराखंड।
Up की है लखनऊ, रांची है झारखण्ड।।
असम की गौहाटी-दिसपुर,तेलंगाना हैदराबाद।
चंडीगढ़ है कैपिटल, हरियाणा-पंजाब।।
A. P की अमरावती,अरुणांचल ईटानगर।
मेघालय की शिलांग है,उड़ीसा की भुवनेश्वर।।
C.G की है रायपुर,त्रिपुरा की अगरतल्ला।
मणिपुर की इम्फाल है,हिमांचल की शिमला।।
है जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर राजधानी।
कैपिटल पटना बिहार की ,है प्राचीन निशानी।।

भारत के राज्य एवं उनकी राजधानी

रचना- राज कुमार शर्मा (प्र.अ.)
UPS-चित्रवार,ब्लाक-मऊ
जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 100

दिनांक-27अप्रैल'19 दिन - शनिवार

कक्षा-7

तराइन का युद्ध

विषय-इतिहास

लड़ा पृथ्वीराज चौहान
मोहम्मद गोरी से..
गोर स्थान से गोरी आया।
फिर गज़नी पे कब्जा जमाया
सन 1174 का साल.
मोहम्मद गोरी से..

सन 1191 साल था।
पृथ्वीराज का राज्य विशाल था।
गोरी की सेना 1 लाख थी।
चौहान की सेना 3 लाख थी।
फिर युद्ध हुआ घमासान।
मोहम्मद गोरी से...

पहला आक्रमण
किया मुल्तान पे।
फिर हमला किया था
गुजरात पे।
नायिका देवी ने उसे
हराया।
चालुक्य वंश का मान
बढ़ाया।
गोरी का हुआ
अपमान.
मोहम्मद गोरी से...

Muhammad Ghori

वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान

बुरी तरह से हारा गोरी।
80 मील सेना गयी खदेडी।
गोरी युद्ध जीत न पाया।
प्राण दान दे उसे भगाया।
काबुल को किया प्रस्थान
मोहम्मद गोरी ने..

तर्ज-तूने अजब रचा भगवान खिलौना माटी का

सन 1192 आया।
सेना ले गोरी फिर आया।
अबकी बार जीत गया गोरी।
विपुल सम्पदा उसने बटोरी।।
और बन्दी हुए चौहान.
मोहम्मद गोरी से...

उसने अपना रास्ता बदला।
हरियाणा का रास्ता पकड़ा।।
और भटिंडा पे किया हमला।
पृथ्वीराज से लेने बदला।।
जा पहुँचा तराइन मैदान।
मोहम्मद गोरी से..

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

राज कुमार शर्मा,UPS चित्रवार,जनपद चित्रकूट

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 439

दिनांक-14अक्टूबर'19

दिन -सोमवार

कक्षा-7, तत्वों के नाम एवम प्रतीक चिन्ह विषय-विज्ञान

तर्ज़-भला किसी का कर न सको तो....

H हाइड्रोजन, C है कार्बन,
F होता फ्लोरीन का।
N नाइट्रोजन,P फास्फोरस,
Cl है क्लोरीन का।।

Fe आयरन Au गोल्ड
Ag को सिल्वर जानते।
Hg हमारा पारा है,
B बोरान को मानते।।

Al है एल्युमीनियम अपना,
Mn मैग्नीज का होता है।
Ca कैल्शियम S सल्फर का,
Mg मैग्नीशियम होता है।।

O ऑक्सीजन Ar ऑर्गन,
लीथियम का Li.
CO कोबाल्ट Cr क्रोमियम
निकिल का है Ni..

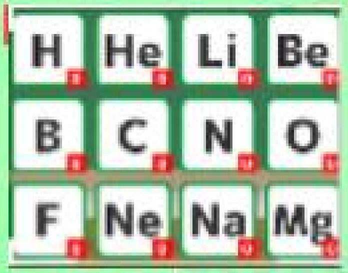

नियान Ne सिलिकन Si,
He हमारा हीलियम।
Na सोडियम Cu कॉपर,
K होता पोटैशियम।।

Br ब्रोमीन Zn जिंक का,
Ti है टाइटेनियम।
Pb लेड Be बेरिलियम,
Cd हमारा कैडमियम।।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल(स.अ.)
U.P.S,कटैया खादर
क्षेत्र-रामनगर,जनपद-चित्रकूट

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

483

दिनांक- 5नवम्बर19 दिन - मंगलवार

कक्षा -6 पाठ- पौधों का वर्गीकरण भाग-2 **विषय- विज्ञान**

तर्ज़- सिर जो तेरा चकराए

पौधों को जो बाँटा जाए,
तीन प्रकार यह बन जाए,
आकार कैसा पौधों का,
इसको समझाएं-2

शाकीय पौधे छोटे होते,
तना भी होता है कमजोर,
मक्का,गेहूं,पालक,धनिया,
इसमें आ जाएं-2

तना जो हो थोड़ा मजबूत,
शाखाएं भी खूब-खूब,
फिर तो ऐसे पौधे,
झाड़ी कहलाएं-2

तीसरे नंबर पर देखो,
वृक्ष हैं लंबे-लंबे आएं,
तने है इसके मोटे-मोटे,
वृक्ष मजबूत हो जाएं-2

शाक, झाड़ी और,
वृक्ष में बांटें,
पौधों का आकार,
हम समझ जाएं-2

रचना-मृदुला वैश्य
पू०मा०वि० मीठाबेल
ब्लाक-ब्रह्मपुर
जनपद-गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

दिनांक- 6 नवम्बर 2019 **485** दिन -बुधवार

कक्षा-3 पाठ-5 हमारा भोजन विषय-हमारा परिवेश

तरह-तरह के भोज्य पदार्थ

तर्ज़-सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु

तरह-तरह के भोज्य पदार्थ होते हैं,
तीन तरह के भोज्य पदार्थ होते हैं।
तरह-तरह ......तीन तरह ....

पहले ऊर्जा देने वाले भोज्य पदार्थ,
कार्य की शक्ति देने वाले भोज्य पदार्थ।
गेंहूँ,चावल, चीनी ,तेल होते हैं,
घी,गुड़,अंडे,दूध भी ऊर्जा देते हैं।
तरह-तरह ......

दूजे तन की वृद्धि वाले भोज्य पदार्थ,
तन का विकास करने वाले भोज्य पदार्थ।
दाल,मछली,सोयाबीन होते हैं,
अखरोट,मांस, तन की वृद्धि करते हैं।
तरह-तरह ......

तीजे पदार्थ रोगों से बचाते हैं,
तन की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।
फल और हरी सब्जी इनमें आते हैं
इनके सेवन से रोग न होते हैं।
तरह-तरह ......

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना--
पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 460

दिनांक- 24 अक्टूबर 2019

दिन - गुरुवार

कक्षा-3 पाठ-15 **जड़ और फूल** विषय-कलरव

तर्ज़- चेहरा है या चाँद खिला है

गुलमोहर का पेड़ था जिस पर,
लाल रंग के फूल खिले।
फूलों के गुलदस्तों से,
पेड़ को सुंदर रूप मिले।।

फूलों को शैतानी सूझी,
जड़ को बदसूरत बोले।
हँसी उड़ाई जड़ की उन्होंने,
लेकिन जड़ न कुछ बोले।।

बादल गरजे,बिजली चमकी,
गुलमोहर पर आके गिरी।
पेड़ झुलस गया,ठूँठ सा हो गया,
फूलों से जान निकल पड़ी।।

बारिश बीती,जाड़ा बीता,
वसंत का मौसम आया।
नव-कोंपल,नव-पुष्प खिले,
पेड़ का मन भी मुस्काया।।

नव-पुष्पों ने अपना जीवन,
जड़ सेवा से पाया था।
इसीलिए फूलों ने अपना,
सिर आदर से झुकाया था।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 484

दिनांक- 05 नवम्बर 2019

दिन - मंगलवार

कक्षा- 7

पौधों में पोषण

विषय- विज्ञान

तर्ज-भला किसी का कर न सको तो ..

पौधों में पोषण को पढ़ते,
हरे जो पौधे होते हैं।
अपना भोजन स्वयं बनाते,
वो स्वपोषी पौधे होते हैं।।

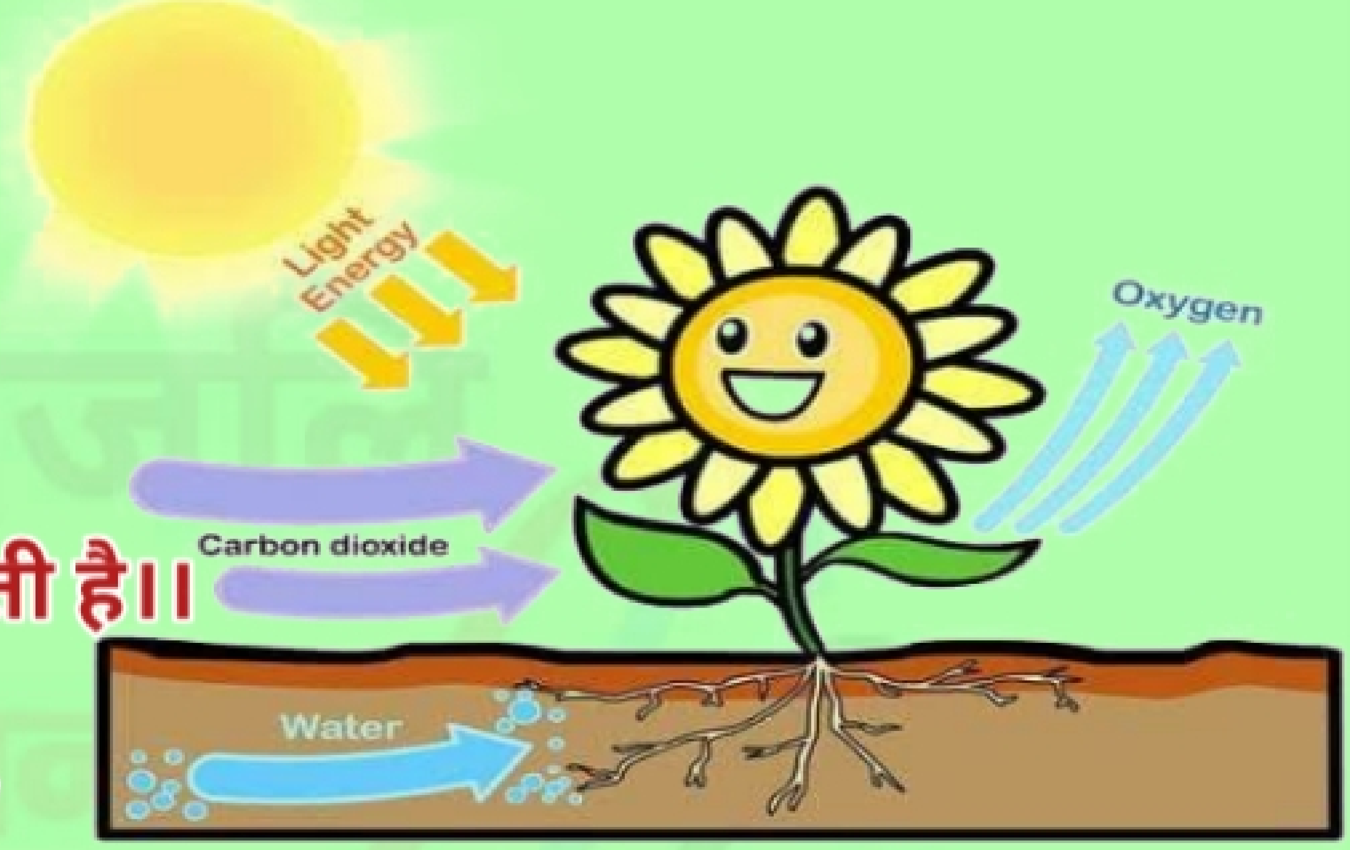

भोजन बनाते हरे पौधे ही,
उससे ऊर्जा मिलती है।
भोजन की क्रिया में,
कार्बन डाईआक्साइड जरूरी होती है।।

सूर्य प्रकाश,पत्तियों का पर्णहरित,
पानी संग क्रिया करते हैं।
इस क्रिया को प्रकाश संश्लेषण,
हम बच्चों कहते हैं।।

पर्णहरित नामक वर्णक से,
पत्तियाँ हरी सी होती हैं।
जल अवशोषित जड़ करके,
पत्तियों में जल भर देती हैं।

पत्ते बन पौधे की रसोई,
धूप में हिलते दिखते हैं।
पानी कार्बन डाईऑक्साइड मिल,
ग्लूकोज निर्मित करते हैं।।

हरे पौधे हैं भोजन उत्पादक,
सब जीव उपभोक्ता होते हैं।
पौधे वृद्धि कर बचे भोजन को,
जड़-तना में संचित कर लेते हैं।।

रचना

मिशन शिक्षण संवाद — शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

नैमिष शर्मा (स. अ)
पू. मा.वि. तेहरा
वि. ख. व जनपद-मथुरा

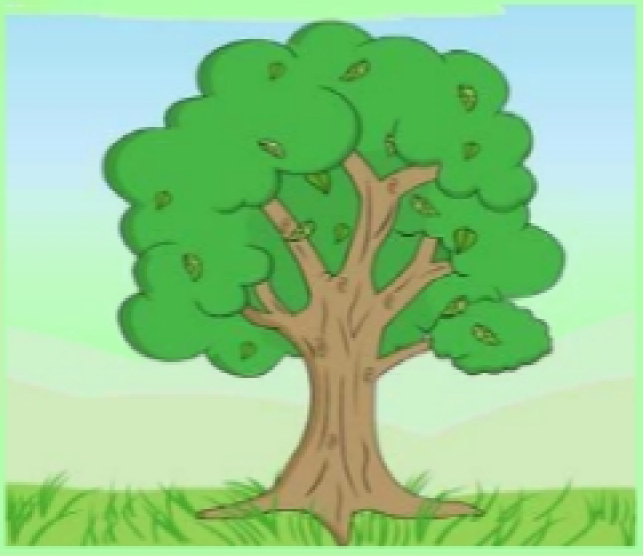

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 497

दिनांक- 12 नवम्बर 2019

दिन - मंगलवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर

संज्ञा व उसके भेद

विषय- हिंदी

तर्ज- तू कितनी अच्छी है,,,,

हाँ ये जो संज्ञा है,हाँ कोई व्यक्ति है,
कोई वस्तु है,स्थान है,भाव है,
संज्ञा है,संज्ञा है।

5 प्रकार की होती है संज्ञा-2
पहली व्यक्तिवाचक संज्ञा
जैसे गीता, गंगा
कितनी सुंदर है,कितनी सरल है
न्यारी-न्यारी है...
संज्ञा है....संज्ञा है...2

5 प्रकार की होती है संज्ञा-2
दूजी संज्ञा जातिवाचक
जैसे नदी और पुस्तक
कितनी सुंदर है,कितनी सरल है
न्यारी-न्यारी है...
संज्ञा है....संज्ञा है...2

5 प्रकार की होती है संज्ञा-2
तीजी भाववाचक संज्ञा
पदार्थ की कोई अवस्था
कितनी सुंदर है,कितनी सरल है
न्यारी-न्यारी है...
संज्ञा है....संज्ञा है...2

5 प्रकार की होती है संज्ञा-2
चौथी संज्ञा द्रव्यवाचक
पंचम समूहवाचक
कितनी सुंदर है,कितनी सरल है
न्यारी-न्यारी है...
संज्ञा है....संज्ञा है...2

रचना
पूजा सचान(स०अ०)
EMPS प्रा०वि०मसेनी
बढ़पुर ,फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 500

दिनांक- 13 नवम्बर 2019 दिन - बुधवार

कक्षा-4 **पाठ-3** **कचरा प्रबन्धन** **विषय-हमारा परिवेश**

★तर्ज़-होंठों से छू लो तुम★

जीवन में स्वच्छता को,
गर हम लें अपनाएं।
सच बात है ये लोगों,
कहीं गंदगी ना पाएं।।
जीवन में ....

गर 4R समझें,
तो बात भी बन जाए।
हर एक कचरे का जो,
निस्तारण हो जाए।।
अपने परिवेश को हम,
बगिया सा महकाएं।।
जीवन में ....

प्लास्टिक और पॉलिथीन,
का न करें उपयोग।
उतना ही खरीदो सामान,
जितने का हो उपभोग।।
समझदारी से वस्तुओं का,
पुनः प्रयोग भी कर जाएं।।
जीवन में ....

नीले कूड़ेदान में ही,
डालो सड़ने वाला कचरा।
हरे कूड़ेदान में फेंको,
ना सड़ने वाला कचरा।।
पुनर्चक्रण द्वारा अपशिष्ट,
पदार्थों को गलाये।।
जीवन में ....

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
गीता यादव(प्र०अ०)
प्रा०वि०मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 147

दिनांक-21मई'19 दिन - मंगलवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर **"पर्यायवाची शब्द"** विषय-हिन्दी

तर्ज़ -"राधे कृष्ण की ज्योति अलौकिक तीनों लोक में छाय रही है।"

एक समान जो अर्थ बताते
'पर्यायवाची' वो शब्द कहलाते।
सरोज,राजीव,जलज,पंकज
कमल के दूजे नाम कहाते।।

धरती,धरा,धरिणी,वसुधा
उर्वी,भूमि के पर्याय बन जाते।
व्योम,गगन,आकाश,अम्बर,
नभ में पक्षी विचरण कर जाते।।

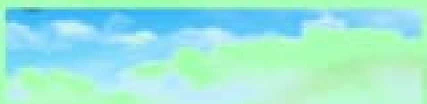

रवि,दिनकर,आदित्य,दिवाकर
सूरज,भानु की बात बताते।
आग,अनल,पावक,दहन, कृशानु
अग्नि की ये ज्वाला बन जाते।।

नीर,तोय,उदक,अम्बु,पानी
जल प्यासे की प्यास बुझाते।
हवा,वायु,समीर,मारुत,
अनिल,गर्मी से राहत पहुँचाते।।

विटप,वृक्ष,पेड़,पादप,द्रुम ये,
राहगीरों को छाया दे जाते।
सागर,पयोनिधि,उदधि,सिंधु
जलधि समुद्र में गोते लगाते।।

तटिनी,प्रविहिनी,सरिता,आपगा
नद,नदी समान अर्थ दिखाते।
सुमन,प्रसून,पुष्प,मंजरी,फूल हैं
खिलकर जो उपवन महकाते।।

पूजा सचान,emps, मसेनी,
(बालक),क्षेत्र-बढ़पुर,
जनपद-फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

दिनांक- 15 अक्टूबर 2019

441

दिन - मंगलवार

Class-Primary

This/That, These/Those

Sub-English

तर्ज़- जंगल-जंगल बात चली है पता चला है

This-That का खेल है देखो बड़ा ही न्यारा...
These-Those का खेल है ये उतना ही प्यारा...
This-That का खेल है न्यारा...
These-Those का खेल है प्यारा...

एक चीज़ कोई पास हो तो यह this कहलाये...
एक चीज़ कोई दूर हो तो वह that कहाये...
This is a ball,That is a bat...
अब समझ आ रहा....
This-That का खेल है देखो बड़ा ही न्यारा...

कई चीज़ जब पास हों तो ये these कहलाएं...
कई चीज़ जब दूर हों तो वे those कहायें...
These are balls, Those are bats....
अब समझ आ रहा.....
These-Those का खेल है ये उतना प्यारा..

This-That का खेल है न्यारा...
These-Those का खेल है प्यारा...

रचना-
पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी
बढ़पुर
फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 421

दिनांक-05अक्टूबर'19 दिन - शनिवार

कक्षा-3 जगतपुर गाँव के बच्चे विषय-कलरव

पाठ-12,तर्ज़ - मेरे सपनों का वो राजा..

एक गाँव जगतपुर न्यारा,
गंदगी और कीचड़ भरा।
वहाँ खेलना चाहें बच्चे,
उन्हें मिली न कोई जगह।।
योजना बनाई सब बच्चों ने,
कैसे हटे गंदगी।
हटा गंदगी को हटा।।
एक बात परी से कहूँगा मैं,
मेरे गाँव में जादू चला।
मेरा गाँव बना दो सुन्दर,
बच्चे हँसने लगे सब
सुनकर।।
कुछ हमें ही करना होगा,
तभी हटे गंदगी।
हटा गंदगी को हटा।।

भोर रैली निकाली बच्चों ने,
उनके हाथ में तख्ती,कुदालें।
साफ-सुथरा हो गाँव हमारा,
विद्यालय हो हरा-भरा।।
रास्ते, नाली को साफ रखें हम,
तभी हटे गंदगी।
हटा गंदगी को हटा।।
स्कूल के रास्ते साफ हुए हैं,
छोटी-छोटी सी नाली बनी।
गाँव के लोगों ने आकर के ,
बच्चों का हाथ बँटाया है।।
सब मिलकर के काम करेंगे,
ऐसे हटे गंदगी।
हटा गंदगी को हटा।।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

रचना-
ज्योति पटेल(स०अ०)
प्रा०वि०-बरमपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 270

दिनांक-21 जुलाई'19

दिन - रविवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर

मुहावरे

विषय-हिंदी व्याकरण

तर्ज-आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिन्दुस्तान की

आओ बच्चों तुम्हें सिखायें मुहावरे कुछ खास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको हैं पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
नौ दो ग्यारह होना मतलब फुर्र से भाग जाना
हाथ पैर फूलने का अर्थ है अधिक डर जाना
पेट में चूहे कूदना मतलब तेज भूख का आभास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
बहुत दिन बाद दिखना मतलब ईद का चाँद होना
निश्चिन्त होकर सोना कहाये घोड़े बेंचकर सोना
दिन रात एक करने का अर्थ है करना बहुत प्रयास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
घी के दिए जलाना मतलब बहुत खुशी मनाना
आँखो का तारा कहलाए बड़ा ही प्यारा होना
कंगाली में आटा गीला अर्थ कमी में और ह्रास
याद हो जाएंगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे

रचना-गीता यादव (प्र.अ.)
P.S.मुरारपुर, क्षेत्र-देवमई
जनपद-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 417

दिनांक-03 अक्टूबर'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-5 पाठ-7 **जीवन के रंग** विषय-कलरव

भाग 2–जंगल की आग तर्ज़-मिलो न तुम तो हम घबराएं..

एक बार जंगल में बच्चों,
आग लगी थी भारी।
सभी पशु लगे बुझाने-2
जिसके हाथ में जो भी
आया,उसी में भर-भर पानी,
आग में लगे डालने-2
नन्हीं गौरैया ने भी ,साथ निभाया बड़े जोश से।
चोंच में भर के पानी,डाल रही थी वो तो आग में..
कौआ बैठे देखे तमाशा,बोला कर न नादानी,
आग क्या खाक बुझेगी-2
बोली गौरैया सुनो,मैं भी
समझती हूँ बात को..
बात चलेगी कभी,
किसने बुझाया था आग को..
नाम मेरा भी होगा शामिल,
होगी अमर कहानी..
तमाशाबीन न हूँगी-2
बच्चों तुम भी धैर्य न खोना,
कभी मुसीबत आए,
सामना डटकर करना
न डरकर बैठे रहना...

रचना-पुष्पा पटेल(प्र.अ)
प्राथमिक विद्यालय संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 289

दिनांक-31 जुलाई'19 | दिन - बुधवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर | पाठ-8 | **पौधों में श्वसन** | विषय-हमारा परिवेश

तर्ज-आओ सिखाऊँ तुम्हें अंडे का फंडा

बच्चों बताऊँ आज तुमको कुछ खास ,
पेड़ पौधे भी लेते हर पल साँस ।
साँस लेने की क्रिया कहलाती है श्वसन ,
चलती रहती ये क्रिया हर पल हर क्षण ।
पर्णरंध्र (स्टोमेटा) से होता ये काम ,
कभी ना समझना तुम इनको आम ।
इन्हीं से पौधे ऑक्सीजन लेते ,
बाहर कार्बन डाईऑक्साइड करते ।
ये कार्य दिन रात निरन्तर चलता ,
कभी भी , कैसे भी न आराम मिलता ।
पेड़ के नीचे रात में कभी ना सोना ,
कार्बन डाईऑक्साइड लेके पड़ेगा रोना।

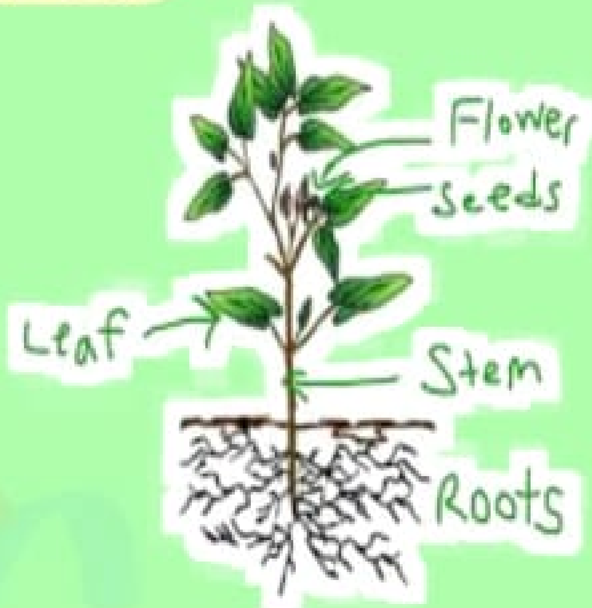

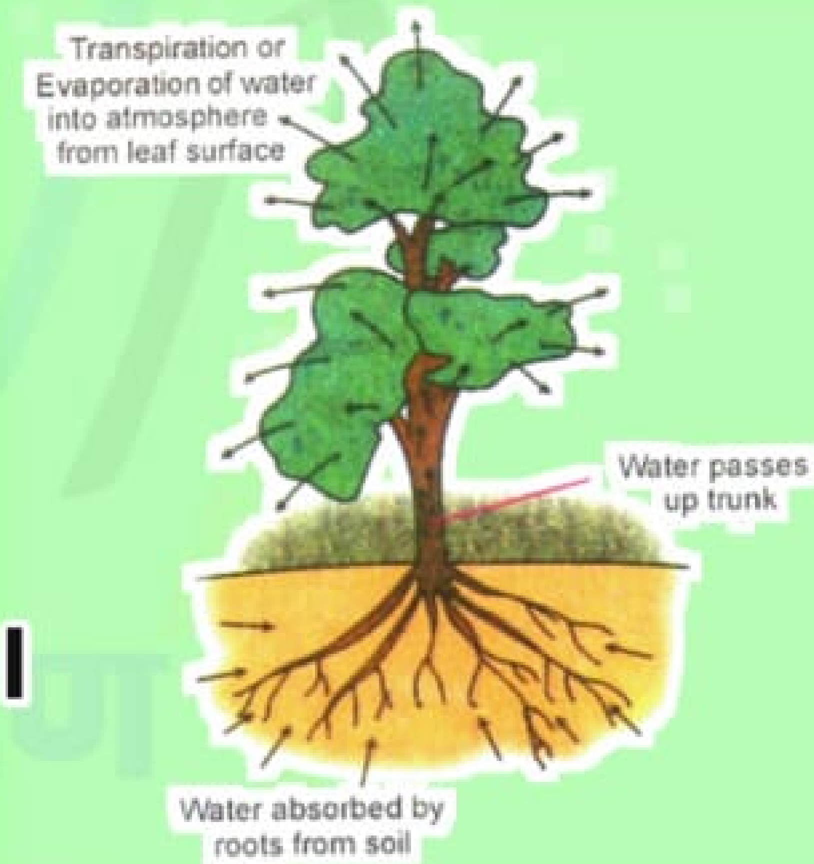

रचना

गीता यादव (प्र.अ)
प्राथमिक विद्यालय मुरारपुर
क्षेत्र-देवमई,जनपद-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 375

दिनांक- 12सितम्बर'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-5

आपदाएं और उनसे बचाव

विषय-हमारा पर्यावरण

तर्ज- ओ साहिबा ओ साहिबा

ये आपदा ,ये आपदा –2
आती जब विपदा तो कैसे बचोगे,
आओ बताएं तुम्हें,जब आए कोई विपदा।

तो हो जाता अस्त-व्यस्त जीवन
पर तुम मत घबराना,थोड़ा संयम रखना,ये आपदा-4

सबसे पहले बच्चों,तुम अफ़वाह न फैलाना,
विपदा हो कम प्रभावी,वो उपाय अपनाना।

जब बीत जाए विपदा,तब लोगों की हेल्प करना,
जो हो बच्चे बूढ़े,सबको राहत पहुंचाना। ये आपदा-4

इसके बाद होता है,सबका पुनर्वास,
जो घर से जाते बिछुड़ते, उनको मिलता आवास।

ये आपदा ,ये आपदा-2आती है जब ये तो कैसे बचोगे,
आओ बताएं तुम्हें।

रचना-पूजा दुबे(स०अ०)
प्रा० वि० बिहारा-1
ब्लॉक व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

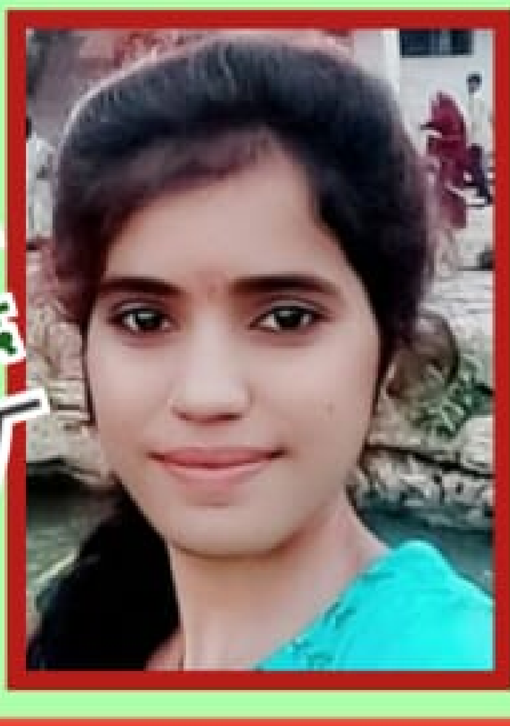

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 353

दिनांक- 1सितम्बर'19

दिन - रविवार

कक्षा-5

विजय पथ

विषय-हिन्दी

आओ सुनाऊँ तुमको एक कहानी।
एक था कछुआ,एक खरहा
अभिमानी।।

दोनों शर्त लगाते, चलो दौड़ लगाते,
साथियों को बुलाते, गंतव्य स्थल दिखाते।
घोषित दिन में शुरू हुई दौड़ाई।।
आओ ....

खरहा निश्चिंत था बिल्कुल,कछुआ करता तैयारी।
खरहा तेजी से भागा,मिली पेड़ की छाया।
सुस्ताने को बैठा,नींद है आई।।
आओ.......

खरहा सोता रहा, कछुआ चलता रहा।
कछुआ धीमा बहुत था,पर हार न माना।
चलते-चलते उसने मंजिल पाई।।
जीता कछुआ खरहे ने मुँह की खाई।
आओ सुनाऊँ.....

रचना-पुष्पा पटेल(प्र.अ.)
प्रा०वि०संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 472

दिनांक- 30 अक्टूबर 2019 दिन - बुधवार

कक्षा-3 पाठ-11 **पहेलियाँ** विषय-हिन्दी

तर्ज़-कबीर के दोहे

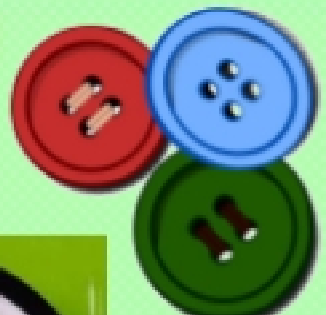

कोट-शर्ट का ताला हूँ,
दो या चार हैं छेद,
धागे के संग बंध जाता हूँ,
बूझो मेरा भेद ओ बच्चों ! बूझो मेरा भेद।

चौबीस घंटे चलती जाऊँ,
फिर भी न आगे बढ़ पाऊँ,
तीन हाथ हैं देखो मेरे,
टिक-टिक करती जाऊँ ओ बच्चों ! टिक-टिक करती जाऊँ।

दो पहियों पर मैं चली,
मोटी-संकरी गली,
न प्रदूषण,न पेट्रोल,
झूम-झूम मैं चली ओ बच्चों! झूम-झूम मैं चली।

गोल-मटोल लुढ़कती जाऊँ,
तुम फेंको आगे बढ़ जाऊँ,
ऊपर,नीचे,दाएं,बांएं,
खेल मैं तुमको खिलाऊँ ओ बच्चों! तुमको खेल खिलाऊँ।

गर्मी में मैं भागा जाऊँ,
सर्दी में मैं रुक ही जाऊँ,
चिड़िया जैसे पंख हैं मेरे,
ठंडक मैं पहुँचाऊँ ओ बच्चों! ठंडक मैं पहुँचाऊँ।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी,बढ़पुर,फर्रुखाबाद

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 471

दिनांक- 30.10.'19

दिन - बुधवार

कक्षा-3,पाठ-5 **हमारा भोजन** विषय-हमारा परिवेश

तर्ज-जाने कहाँ मेरा जिगर गया जी..

जब भी खाएं कुछ बातों का ध्यान रखें जी ,
कभी-कभी बीमारी देता दूषित खाना भी ।
खुले भोजन को मक्खियाँ गंदा करती जी,
धूल की भी मोटी पर्त चढ़ जाती है जी ॥
जब भी ....

फल और सब्जी में जमा रहती धूल है,
बिना धोए खाना बहुत बड़ी भूल है,
छोटे-छोटे कीड़े भी इनमें खूब रहते ,
सावधानी बरतो हमसे यही कहते ,
साफ पानी से पहले इनको धोएं जी
अपनी सेहत तब हम बिल्कुल न खोएं जी
जब भी ......

खुली हुई चीजें कभी न खाओ तुम,
कटे खुले फल से भी दूर रहो तुम,
दूध,हरी सब्जी का खूब करो सेवन,
बासी खाना खाओ नहीं तुम बेमन ,
भोजन खूब चबा चबाकर खाएं जी
खाने से पहले हाथ अवश्य धोएं जी ।
जब भी ......

रचना
गीता यादव(प्र.अ.)
प्रा०वि०मुरारपुर,देवमई
जनपद-फतेहपुर

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 237

दिनांक-5 जुलाई'19 दिन -शुक्रवार

कक्षाएं-जूनियर स्तर **सरगम** विषय-संगीत

सूरज भइया, चंदा मामा 🙂
मिलकर गाओ सा,रे,गा,मा
सा,रे,गा,मा,....सा,रे,गा,मा,
मिलकर गाओ सा,रे,गा,मा।

नदियों के कल-कल,छल-छल में,
झरनों के झरते मृदु जल में।
गूँज रहा संगीत सदा से,
चलता रहता गीत सदा से।
घुमुड़-घुमुड़ गरजे घनश्यामा,
सीखें हम सब सा,रे,गा, मा

मठ में गुञ्जित प्रभु गान है,
मस्जिद में जारी अजान है।
घंटो,शंखों, घड़ियालों में,
बसा हुआ संगीत प्राण है।
चलता कीर्तन सीता-रामा,
मिलकर गाएँ सा,रे,गा,मा

वाणी देवी! तुम आ जाओ,
सबके कंठों में बस जाओ।
सुर में लय धारा सरसाओ,
आकर के संगीत सिखाओ।
हम भी कुछ कर लें हंगामा,
मिलकर गाएँ सा,रे,गा,मा

रचना~

प्रवीणा दीक्षित

Kgbv Kasganj

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 242

दिनांक- 7 जुलाई '19

दिन -रविवार

कक्षा-6

क्षुद्र ग्रह,उल्कापिंड,धूमकेतु

विषय-भूगोल

तर्ज-बड़े बड़ाई न करें,बड़े न बोलें बोल

मंगल और वृहस्पति की कक्षा के मध्य।
छोटे छोटे पिंड हैं जिनकी संख्या असंख्य।।
क्षुद्रग्रह जिनकी संख्या असंख्य..
सूर्य की करें परिक्रमा,मंगल-गुरु के संग।
जो बिखरे विस्फोट में,ये उन ग्रहों के अंश।।
क्षुद्रग्रह ये उन ग्रहों के अंश..
ये पाषाण के खंड हैं,उल्कापिंड कहाय।
सूर्य के चारों ओर ये चक्कर रहे लगाय।
ये उल्का चक्कर रहे लगाय...
कभी धरती के पास आ धरती पर गिर जाय।
खतरनाक ये पिंड हैं,टूटे तारे कहलाय।
ये उल्का टूटे तारे कहलाय..
बर्फ,धूल और गैस के और चट्टानी रूप।
घूम रहे आकाश में ले चमकीली पूंछ।
धूमकेतु ले चमकीली रूप...
बर्फ,गैस और धूल का वाष्प में बदले रूप।
सिर रहे सूरज की तरफ,पीछे चमकीली पूंछ।
धूमकेतु की चमकीली पूंछ..

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
U.P.S,चित्रवार,क्षेत्र-मऊ
जनपद-चित्रकूट,(उ.प्र.)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 329

दिनांक-20अगस्त'19

दिन - मंगलवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर

बहुउपयोगी पेड़

विषय-सामान्य ज्ञान

तर्ज- दादी तेरी मोरनी को मोर ले गए..

दादी माँ ने एक छोटा सा
पेड़ लगाया जी,
पेड़ लगाकर पानी देकर
उसे बढ़ाया जी।

चिंटू बोला दादी माँ हैं
पेड़ों के क्या फायदे,
दादी बोलीं एक नहीं हैं
ढेरों इसके फायदे।

आओ हम तुम मिलकर
ढेरों पेड़ लगाएं जी,
पेड़ लगाकर धरती को
हम हरा बनाएं जी।

पेड़ हमें ऑक्सीजन देते
CO2 हैं ले लेते,
CO2 लेकर के वो वातावरण
को शुद्ध करते।।

लगे हुए हम पेड़ बचाकर
उन्हें बढ़ाएं जी,
पेड़ जो कोई काटे तो
हम उसे समझाएं जी।

पूजा सचान (स.अ.)
EMPSमसेनी (BOYS)
विकास क्षेत्र- बढ़पुर,
जनपद- फर्रुखाबाद

दादी ने चिंटू को अच्छे से
समझाया जी,
चिंटू ने फिर पेड़ लगाकर
बाग़ सजाया जी।

वृक्षारोपण करने से
बाढ़ न आये जी,
उपजाऊ मिट्टी बह
जाने से बच जाए जी।

सब्जी,फल,अनाज,औषधियाँ
पेड़ों से ही मिलते हैं,
ईंधन की लकड़ी से घरों में
चूल्हे जलते हैं।।

वृक्षों की छाया में राही
विश्राम करते हैं ,
उसी पेड़ के फलों को खाकर
क्षुधा को शांत करते हैं।।

पेड़ों पर ही घोंसला
पक्षी बनाएं जी,
पेड़ों की सुरक्षा से पक्षी
बच जाएँ जी।

लिखते हैं हम जिस कागज़
पर पेड़ों से ही मिलता है,
पेंसिल और रबर का भी
पेड़ों से ही रिश्ता है ।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिंक्षण संवाद

काव्यांजलि 478

दिनांक-02 नवम्बर'19

दिन - शनिवार

कक्षा-5,पाठ- 12 ,"चिड़िया का दाना" विषय-हिंदी

तर्ज-दीदी तेरा देवर दीवाना..

चिड़िया को मिला एक दाना,
हाय राम नहाने को है जाना।
बोली बढ़ई से कि देखना दाना,
क्योंकि मुझको नहाने को जाना।
बढ़ई ने खो दिया वो दाना,
हाय राम कि निष्ठुर है जमाना।
सोचा कि थानेदार से मिलूँगी,
और बढ़ई की शिकायत करूंगी।।
थानेदार उससे दहाड़ा,
हाय राम कि निष्ठुर है जमाना।

राजा से बोली वो चिड़िया बेचारी,
कुछ तो सुनो में हूँ दुःख की मारी।
राजा का अंगरक्षक चिल्लाया,
राजा ने हाथी आगे बढ़ाया।।
चिड़िया ने चींटी को दुखड़ा सुनाया,
चींटी ने हाथी पर प्रेशर बनाया।
चिड़िया का मिल जाए जल्दी दाना,
नहीं तो काट के तुम्हें गिराना।।
हाथी ने राजा को धमकी सुनाई,
राजा ने बढ़ई की क्लास लगाई।
मिल गया चिड़िया को उसका दाना,
चिड़िया की खुशी का न ठिकाना।।
चिड़िया .... जाना

रचना

पूजा दुबे (स०अ०)
प्रा० वि० बिहारा-1
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

दिनांक- 16.10.'19

443

दिन - बुधवार

कक्षा-3

सीख

विषय-कलरव

तर्ज-बड़े बड़ाई न करें

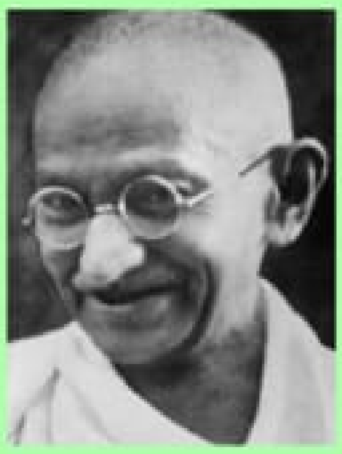

एक बार कस्तूरबा,हो गयीं बड़ी बीमार।
ढेरों दवाई खा चुकीं,पर ना मिला आराम।
उन्हें हाँ पर ना मिला आराम...

पुस्तक पढ़ गाँधीजी को,मिला कहीं से ज्ञान।।
बीमारी में नमक ना खाएँ,तो हो सकता है आराम।
हाँ लोगों को हो सकता है आराम...

अब बोले बा से गाँधीजी,कर दो नमक तुम बंद,
कस्तूरबा उनसे उलझ गयीं,करने लगी फिर द्वंद,
हाँ गाँधी से करने लगीं फिर द्वंद,..

पर उपदेश कुशल बहुतेरे मारा ऐसा तंज,
सोचने पे हुए मजबूर बापू,हो गया उनको रंज,
हो भैया हो गया उनको रंज...

बापू की बात के प्रभाव से,बा ने तजा नमक।
उन्हीं की सीख से कस्तूरबा,जल्दी हो गयीं स्वस्थ,
हो भैया जल्दी हो गयी स्वस्थ..

तब महात्मा ने लिया फैसला,स्वयं नमक दिया छोड़,
उनके इस निर्णय ने,बा का मन दिया मोड़,
हाँ हाँ हाँ बा का मन दिया मोड़..

ऐसे थे गाँधी और शास्त्री,दो अक्टूबर को जन्मे थे।
वो जो भी कहते थे,पहले स्वयं करते थे।
हाँ हाँ हाँ पहले स्वयं करते थे।।

रचना-
गीता यादव,(प्र.अ.)
p.s, मुरारपुर,
क्षेत्र-देवमई,
जनपद-फतेहपुर,

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 432

दिनांक-10अक्टूबर'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-5 पाठ-13 जल है तो कल है विषय-हमारा परिवेश

भूमिगत जल के पुनर्भरण की विधियां तर्ज-ॐ जय जगदीश हरे

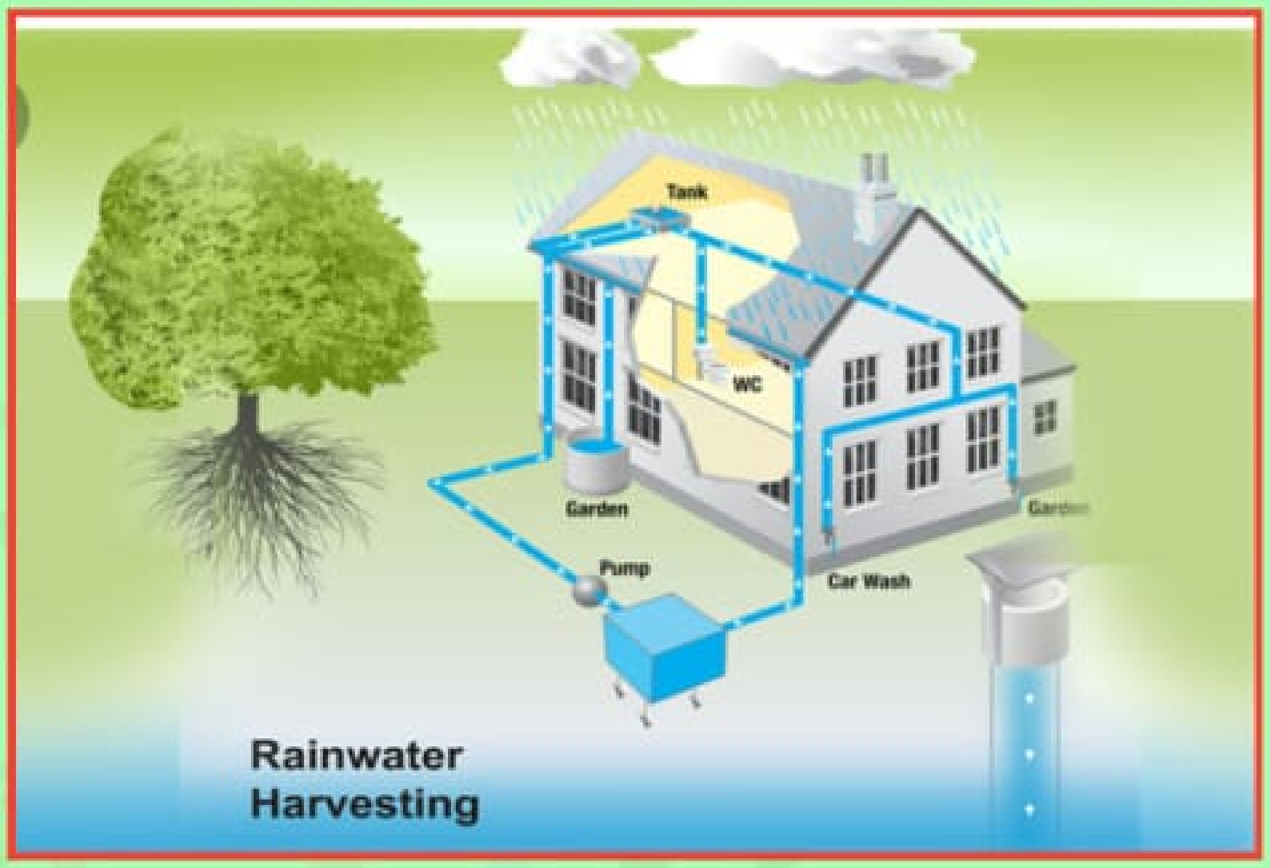

जल संचयन हम करें,
आओ जल की कमी दूर करें,
पुनर्भरण की क्रिया से,
जल की बचत करें.......
आओ जल संचयन हम करें..

वर्षा जल संचयन की,
क्रिया बहुत ही सरल,
तालों में कर के इकट्ठा,
बचाएं वर्षा का जल......
आओ जल संचयन हम करें।

छत पे बहते पानी को,
पाइपों से नीचे लाकर,
कर लें इकट्ठा जल को,
एक बड़ा टैंक बनाकर.....
आओ जल संचयन हम करें।

पुनर्भरण गड्ढों और,
नलकूपों के द्वारा,
वर्षा का जल हम बचाएं,
नयी तकनीकों द्वारा.......
आओ जल संचयन हम करें।

रचना-पूजा सचान(स.अ.)
EMPS, मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 451

दिनांक-20अक्टूबर'19

दिन- रविवार

कक्षा-8 पाठ-2 **भारतीय सेना** विषय-नागरिक शास्त्र

तर्ज-फूलों का तारों का सबका कहना है..

तीन प्रकार की अपनी सेना है।
भारत की शान ये अपनी सेना है।।
एक थल,एक जल,एक वायु सेना है।
भारत की शान ये,अपनी सेना है।

नौसेना ही नेवी, जलसेना कहलाती।
वेस्ट,ईस्ट,साउथ कमान में नेवी बंट जाती।।
पानी में युद्ध करे ये जलसेना है।
भारत की शान ये,अपनी सेना है।

नभसेना एयरफोर्स के होते है चार कमान।
वेस्ट ईस्ट और ट्रेनिंग संग रख-रखाव कमान।।
अम्बर में युद्ध लड़े ये नभसेना है।
भारत की शान ये,अपनी सेना है।

रचना-राज कुमार शर्मा(प्र.अ.)
यूपीएस,चित्रवार,ब्लॉक-मऊ,
जनपद,चित्रकूट

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 05

दिनांक-22फरवरी'19

दिन -शुक्रवार

कक्षा-7

शेरशाह सूरी

विषय-इतिहास

तर्ज-कभी राम बनके,कभी श्याम बनके..

शेरशाह सूरी,किया कम दूरी,
ग्राण्ड ट्रंक रोड बनवाया।
सन 1540-1545 ,
तक भारत का राज चलाया।।..

फ़ारसी,इतिहास पढ़ा था,
वह जनता में लोकप्रिय बड़ा था।
शेर मार करके,शेरखान बनके,
अपने मालिक की जान बचाया।
शेर शाह सूरी...

बाबर सेना में भर्ती हुआ था,
सैन्य संगठन का ज्ञान लिया था।
चौसा के युद्ध में,हुमायूं के विरूद्ध में,
था हुमायूं को धूल चटाया।
शेरशाह सूरी..

नाप की गज इकाई चलाया,
डाक चौकी कुएं खुदवाया।
बुरहानपुर के सीधे जौनपुर से,
और दिल्ली को साथ मिलाया।
शेरशाह सूरी...

उसने मकतब-मदरसे खुलवाया,
रैयतवाड़ी व्यवस्था चलाया।
शासन 5 साल का,काम बेमिसाल
था,उसने भारत को सुदृढ़ बनाया।।
शेरशाह सूरी...

आर.के.शर्मा(प्र.अ.)
UPS,चित्रवार,ब्लॉक-मऊ
जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 438

दिनांक-13अक्टूबर'19

दिन - रविवार

कक्षा-5 **जंगल और जन जीवन** विषय-हमारा परिवेश

तर्ज़-फूल तुम्हें भेजा है खत में

पेड़ हमें देते आक्सीजन,
पेड़ो को अब मत काटो।
भइया-बहनों बात समझ लो,
इनमें भी होता जीवन।।

गुण छिपे हैं इनमें इतने,
सीप में हो जैसे जीवन।
इनको बचा लो सब मिलकर के,
इनसे है अपना जीवन।।

मित्र ये होते हैं बादल के,
पानी को बरसाते हैं।
कटाव रोकते हैं मिट्टी का,
औषधियाँ इनसे पाते हैं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

पेड़ सभी मिलकर के लगाओ,
सुखमय होगा सबका जीवन।
भैया-बहनों बात समझ लो,
इनमें भी होता जीवन।

रचना••अशोक कुमार(स.अ.)
कम्पोजिट विद्यालय रामपुर
कल्याणगढ,मानिकपुर
जनपद-चित्रकूट

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 426

दिनांक- 07अक्टूबर'19 दिन - सोमवार

कक्षा-4 पाठ-4 हमारा भोजन विषय-हमारा परिवेश

तर्ज- जनम जनम का साथ है,हमारा तुम्हारा..

काम करें तो होता रहता,ऊर्जा ह्रास हमारा।
ऊर्जा शरीर को मिलती,जब लें हम भोजन प्यारा।।

भोजन के पोषक तत्वों को,आओ हम सब जानें।
कार्बोहाइड्रेट,वसा,प्रोटीन,विटामिन को पहचानें।
खनिज लवण भी साथ में हो,भोजन संतुलित हमारा।
ऊर्जा शरीर को मिलती..

कार्बोहाइड्रेट और वसा,देते शरीर को ऊर्जा।
मिलते खाने से, दूध,तेल,मक्खन,घी,आलू,गन्ना
दाल,मांस,मछली,अंडे प्रोटीन दें वृद्धि वाला ।
ऊर्जा शरीर को मिलती ....

रोगों से रक्षा करते अद्भुत,विटामिन और खनिज लवण।
फल और हरी सब्जियाँ खाओ,इनमें मिलें ये प्रचुरतम,
रहे निरोग वो हर व्यक्ति,जो खाएं ये सब सारा ।
ऊर्जा शरीर को मिलती ....

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा०वि०धवकलगंज,बड़ागाँव
जनपद-वाराणसी(उ.प्र.)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 430

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक-09 अक्टूबर'19 दिन-बुधवार

कक्षा-5 पाठ-10 **प्रकाश संश्लेषण** विषय-हमारा परिवेश

तर्ज-छोरे ओ रे छोरे कहाँ से आया है रे तू

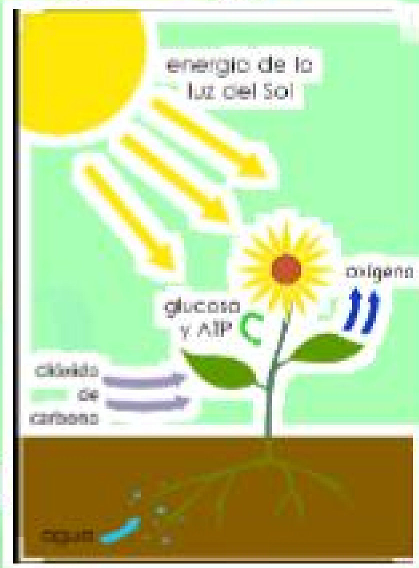

पौधे ओ रे पौधे जीवन अपना है रे तू ।
कैसे बनाता भोजन अब ये हमें बता दे तू।।
बच्चों प्यारे बच्चों तुम्हें ये राज बताता हूँ ।
भोजन बनाने की तुम्हें ये क्रिया समझाता हूँ ।।

हरी-हरी है मेरी पत्तियाँ रसोईघर कहलाती हैं ।
क्लोरोफिल होता है इनमें भोजन यहीं बनाती हैं ।।
वायुमंडल से लेते CO2 ,जल भूमि से पाते हैं ।
सूर्य प्रकाश,क्लोरोफिल संग प्रकाश संश्लेषण कराते हैं।।

भोजन जो बनता है वो कार्बोहाइड्रेट कहलाता है।
संग निकली ऑक्सीजन से हर प्राणी जीवन पाता है।।
बच्चों प्यारे बच्चों जीवन अपना बचाओ तुम ।
रक्षा करो पेड़ों की नित नये वृक्ष लगाओ तुम ।।
पौधे मेरे पौधे हमने ये बात समझ ली है ।
रक्षा तेरी करने की प्रतिज्ञा कर ली है ।।

रचना-संयोगिता (प्र०अ०)
प्रा०वि०अदलपुर,मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 464

दिनांक- 26अक्टूबर'19

दिन - शनिवार

कक्षा-5 पाठ-10

पौधों में पोषण

विषय-हमारा परिवेश

तर्ज-आओ बच्चों तुम्हें दिखाए

आओ बच्चों बात बताएं पोषण के प्रकार की,
इस गीत से तुम्हें सिखाएं बातें विचित्र संसार की।
पौधे हैं जीवन,इन्हें बचाएं हम
पौधे हैं जीवन,इन्हें बचाएं हम

स्वयं भोजन जो बनाता,स्वपोषी कहलाता है।
हरे पेड़-पौधों का नाम,इस श्रेणी में आता है।
भोजन जो दूसरों से लेता,परपोषी उसका नाम है।
इनकी होती चार श्रेणियाँ, जिनकी निराला काम है।
एक-एक कर तुम्हें सिखाएं,पहचान इनके नाम की
इस गीत से ......
पौधे हैं जीवन..

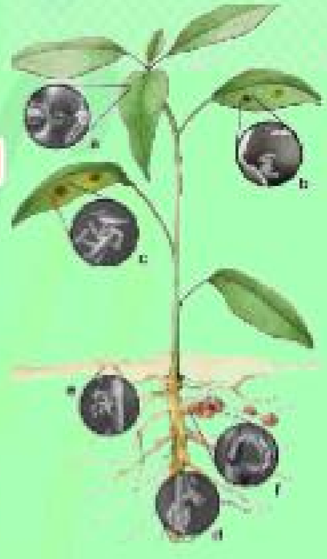

होते हैं जो परजीवी,वो निर्भर जीवित पौधों पे।
अमरबेल ने जीवन काटा,लिपट पेड़ की शाखों पे ।
मृतोपजीवी पौधा उगता,सड़े गले मृत पदार्थों पे।
एक दूजे का लाभ पहचान है,सहजीवी प्रकार की।।
इस गीत से ...
पौधे हैं जीवन..

रचना-संयोगिता (प्र०अ०)
प्रा०वि०अदलपुर,मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 465

दिनांक- 27 अक्टूबर'19

दिन - रविवार

कक्षा-6

पांच महासागर

विषय-भूगोल

पांच महासागर दुनिया में,इनके नाम बताएं।
इनके नाम जान लो बच्चों,गाकर के समझाएँ।हो.
हो हो,हो हो हो...

तर्ज-सात अजूबे इस दुनिया में

सबसे ज्यादा धरती पर,जो फैला है।
ये प्रशांत महासागर,नीला-नीला है।
दूजा अटलांटिक कहलाये,
इनमें ज्वार भाटा धाराएं,
महासागर जल खारा-खारा,
बच्चों पी न जाए।
हो ,हो हो..हो हो हो.

तीजा हिन्द महासागर कहलाता है।
हिंदुस्तान से इसका गहरा नाता है।
भारत के दक्षिण में देखो,
फैला दूर तलक तक देखो,
भारत माता के चरणों को,
धोती हैं धाराएं।
हो हो हो, हो हो हो

आर्कटिक चौथे नम्बर पर आता है।
सबसे उथला महासागर कहलाता है,
पांचवा दक्षिणी महासागर,
दशमलव दो करोड़ किलोमीटर,
तीन चौथाई भाग पे पांचों
महासागर लहरायें
हो हो हो हो हो ..

रचना-आर.के.शर्मा(प्र.अ.)
U.P.S.चित्रवार
मऊ,चित्रकूट

+919458278429

★काव्यांजलि टीम★

- राज कुमार शर्मा
- पूजा सचान
- साकेत बिहारी शुक्ल
- गीता यादव
- नवीन पोरवाल
- ज्योति कुमारी
- वन्दना यादव
- रीना सैनी
- आशीष कुमार शुक्ल
- अरविंद कुमार सिंह
- प्रवीणा दीक्षित
- पूजा दुबे
- मृदुला वैश्य